>

Title: Need to set up AIIMS in Hamirpur-Mahoba in Bundelkhand region of Uttar Pradesh.

श्री विजय बहादुर सिंह (हमीरपुर, उ.प्र.): सभापति महोदय, मैं अपने संसदीय क्षेत्र हमीरपुर, महुआ, जो उत्तर प्रदेश का सबसे पिछड़ा हुआ इलाका है, वहां से मैं मेम्बर ऑफ पार्लियामेंट हूं। आपको यकीन नहीं होगा कि सन् 1950 से आज तक भारत सरकार का वहां कोई संस्थान नहीं बना। अभी हाल में मेडीकल हैल्थ मिनिस्टर ये एलान कर रहे हैं कि हम उत्तर प्रदेश में और प्रदेशों में मेडीकल होस्पिटल एम्स की बराबरी के बनाएंगे। हमारे यहां जिला हैड क्वार्टर हमीरपुर में, महुआ में एनेसथिसिस्ट नहीं है। अगर एक बहू की डिलवरी होती है तो उसे सौ-120 किलोमीटर चलना पड़ता है और सबसे नियरेस्ट प्वाइंट हमीरपुर में झांसी 110 किलोमीटर है तथा कानपुर डेढ़ सौ किलोमीटर है। आजकल भारत में एक बड़ा अजीब सा समाजवाद आया, रूरल इंडिया और अरबन इंडिया में हो गया और ये गेप बढ़ता चला जा रहा है। जहां दिल्ली में हर अंग का अस्पताल है, दिल, हड्डी, स्टमक, किडनी, आइज़ और नोज़ आदि सब का अलग अस्पताल है। हमारे जिले में 150 डॉक्टरों की तैनाती है। अभी हमने मेडीकल ऑफिसर, सीएमओ साहब से पूछा तो उन्होंने कहा कि 44 डाक्टर काम करते हैं। 30 परसैंट डाक्टर, 70 परसैंट डिस्पेंसरी में कोई है ही नहीं। मैं एग्रीकल्चर परिवार से हूं। अपनी तरफ से मैंने हैल्थ मिनिस्टर को भी लिखा है कि मैं 100 बीघा जमीन डोनेट करना चाहता हूं और उसके लिए एक पैसा नहीं लूंगा। अभी ऐलान हुआ है कि ऑल इंडिया मैडीकल इंस्टीट्यूट शायद वे हमारे बुन्देलखण्ड में खोल रहे हैं। बगल में झांसी में मैडीकल कालेज है, बांदा में मैडीकल कालेज हो गया, सिर्फ हमीरपुर और महोबा ऐसा है तो मैं चाहता हूं कि जितनी जमीन चाहिए, आप 100 बीघा से शुरू करें और हमारे यहां ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज़ शुरू करें।

मैं एक चीज़ और कहना चाहता हूं, चूंकि आप बहुत विद्वान हैं, इसलिए मैं यह बात करने को टैम्पटेड हूं कि भारत के संविधान में फण्डामेंटल राइट्स दिये गये हैं। मैं चाहूंगा कि लॉ मिनिस्टर यहां बैठे हैं, अगर वे थोड़ा सा अटेंशन अगर दे दें तो मैं यह कहना चाहता हूं कि आर्टीकल 21 में लिखा है, राइट टू लिव और सुप्रीम कोर्ट ने इसकी व्याख्या दी है कि Right to live means decent living, not animal living और हमारे यहां एनेस्थीसिएसिस्ट नहीं है। मैं अभी महोबा में गया था, वहां पर एक गाइनाकोलोजिस्ट हैं। उन्होंने कहा कि मैं दो साल से यहां हूं, लेकिन सिजेरियन डिलीवरी नहीं कर पा रही हूं, क्योंकि, कोई एनेस्थीसिएसिस्ट नहीं है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय: आपने अपनी बात कह दी है।

श्री विजय बहादुर सिंह: मैं यह आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि हमारे यहां पर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज़ हमीरपुर में खोला जाये और उसमें जितनी जमीन चाहिए, मैं फ्री ऑफ कास्ट देने को तैयार हूं। मैं यह लिख कर मंत्री जी को और प्रधानमंत्री जी को दे चुका हूं।...(व्यवधान)